

5/12/19

पत्रावली पेश हुई। - कृपया कृपया/डा. प्रदीप कुमार ने बकाया पत्रों  
अनुपस्थित/प्राधान्य अधिकारी द्वारा है;  
दौर पर/अन्य कार्य में व्यस्त।  
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार लाईन्स  
दिनांक 9/12/19 को पेश हो।

9/12/19

पत्रावली पेश हुई। कृपया कृपया  
उप/अनुपस्थित। प्राधान्य अधिकारी द्वारा  
/अन्य कार्य में व्यस्त पत्रावली अग्रिम  
कार्यवाही हेतु दिनांक 19/03/20  
को पेश हो।

19/03/20

पत्रावली पेश हुई। कृपया कृपया  
उप/अनुपस्थित। प्राधान्य अधिकारी द्वारा  
/अन्य कार्य में व्यस्त पत्रावली अग्रिम  
कार्यवाही हेतु दिनांक 12/05/20  
को पेश हो।

29/09/2020

कोविड-19 संक्रमण के चलते पत्रावली पूर्व नियत  
ईकाइ पेशी 1/12/2020 से वकील प्रार्थी द्वारा  
प्रस्तुत प्रार्थना पत्र प्रिसल तलवी स्वीकार किया  
जाने पर पत्रावली आज पेश हुई। अप्रार्थी की  
तामील पूर्व में सम्यक रूप से होकर लीं हैं।  
सम्यक तामील बावजूद अप्रार्थी की ओर से कोई  
हाजिर अदालत नहीं। अतः अप्रार्थी के विरुद्ध  
एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जाती है।  
वास्तव बहस पत्रावली दिनांक 30/9/2020 को  
पेश हो।

30/9/2020

पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित।  
प्रकरण में बहस वकील अपीलार्थी सुनी गई। दौरान  
बहस वकील अपीलार्थी ने अपने प्रार्थना-पत्र अपील  
नामान्तरकरण में अंकित तथ्यों दोहराते हुए अपील  
अपीलार्थी स्वीकार करवाई जाकर नामान्तरकरण संख्या  
239 निर्णय दिनांक 05/04/2017 को अपास्त फरमान  
का निवेदन किया।



पत्रावली व पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व  
रिकार्ड, दस्तावेजात एवम प्रश्नगत नामान्तरकरण संख्या

२३९ निर्णय दिनांक ०५/०५/२०१७ का अवलोकन किया गया एवम् बटस वकील अपीलार्थी पर सगौर मनन किया गया।

चूंकि प्रार्थीगण द्वारा तन ग्राम धर्मपुरा पटवार हल्का रामपुरा तहसील खण्डेला जिला सीकर (राज०) अवस्थित कृषि भूमि खसरा नम्बर ७३ रकबा ६.६५ हेक्टेयर में से रेकार्ड खातेदार काश्तकारों से जरिये पंजीकृत विक्रय लेख दिनांक ०३/०८/२०१५ एवं ११/०९/२०१५ से कुछ भूमि क्रय की गयी जिसके नामान्तरकरण आवेदन पर हल्का पटवारी एवं भू-अभिलेख निरीक्षक द्वारा बाद जांच नामान्तरकरण तस्दीक हेतु सरपंच ग्राम पंचायत रामपुरा को प्रस्तुत किया गया। अदालत मातहत ने हल्का पटवारी की रिपोर्ट कि "खसरा नम्बर पर कभी कोई काश्त नहीं हुई व आजमें पर काश्त नहीं है" के आधार पर नामान्तरकरण संख्या २३९ दिनांक ०५/०५/२०१७ को अस्वीकार किया गया है।

जबकि माननीय राजस्व मन्त्रालय राज० अजमेर के परिपत्र क्रमांक राम। भू. अ०/जी-३/प.-१५२/३१/७१०६-३७ दिनांक १९/५/२००५ के द्वारा स्पष्ट किया गया है कि एल.आर. (रिकार्ड) नियम १३३ (सी) के अनुसार — "पंजीकृत विक्रय पत्र में प्रतिफल प्राप्त कर कब्जा देने को अंकित कर देने पर यह नामान्तरकरण तस्दीक करने वाले अधिकारी को कब्जे की जांच करना आवश्यक नहीं है। उसे विक्रय-पत्र के आधार पर नामान्तरकरण तस्दीक करना बाध्यकारी है।"

इस प्रकार अधीनस्थ न्यायालय सरपंच ग्राम पंचायत रामपुरा द्वारा उक्त बाध्यकारी कानूनी प्रावधान का उल्लंघन करते हुए नामान्तरकरण संख्या २३९ को दिनांक ०५/०५/२०१७ को विधि विरुद्ध रूप से अस्वीकार किया है। अतः अपील अपीलान्त स्वीकार की जाकर नामान्तरकरण संख्या २३९ निर्णय ०५/०५/२०१७ को अपास्त किया जाता है तथा तहसीलदार खण्डेला को आदेश दिया जाता है कि विक्रय लेख दिनांक ०३/०८/२०१५



तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज

एवं 11/09/15 के नामान्तरकरण के सम्बन्ध में कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए विधि सम्मत निर्णय पारित करें। तहसीलदार खण्डेला को अमानुसार पालना बाबत तहरीर आदेश जारी हो।

पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो तब बाद तफ़्तील दाखील दफ़्तर हो। यह निर्णय आज दिनांक 30/09/2020 को मेरे द्वारा हस्ताक्षरित कर न्यायालयी मुद्रा सहित खुले न्यायालय में सुनाया गया।

30/9/2020

(राकेश कुमार)

उपखण्ड अधिकारी  
उपरखण्ड आधुनिकी  
खण्डेला (सीकर)  
खण्डेला, सीकर

